Guru Nanak Dev Lecture Sub: "Guru Nanak: Life and Legacy"

The 7th and 8th Guru Nanak Dev Lecture was organised on the 11th Nov. 2019 one day before the birth anniversary of Guru Nanak Dev Ji. The lecture was organised by the Dept. of Philosophy and the subject was ‘’Guru Nanak: Life and Legacy". The guest speakers were distinguished scholars of philosophy and religious philosophy in particular. Prof. Hema More of Pune University spoke first and she spoke on the significance of Guru Nanak Dev ji and compared the ideology that of Lord Buddha. It was a delightful talk appreciated by a gathering of about 200 students, all teachers of the college and some other guests. Prof. More took up multiple anecdotes from the life of ancient sages in order to highlight the legacy of Guru Nanak Dev.

The second speaker was a distinguished Professor of Pune University, Dr. Surjit Kaur Chahal who in her one hour speech tried to draw philosophical significance from the life and values of Guru Nanak Dev. She spoke at length about the importance of diversity and equality behind the success of a civil and plural society.

The scholars were welcomed by the Principal P. Shekhar. There were introduced by Sardar R.S. Chahal, President of the college and at the end the vote of thanks was proposed by the Secretary, Sardar D.S. Grewal. Dr. Sanjay Prasad, Prof-in-charge, Bhuda Campus, Dr. Ranjana Das, Prof-in-Charge, Women's Wing were also present on the dais.

GURUNANAK DEV LECTURE SERIES
on

THE GURUNANAK DEV LECTURE SERIES
on
LIFE AND LEGACY
KAUR CHAHAL
Philosophy, Pune University.
MORE
of Buddhist Studies, Pune University.
GURU NANAK
GE, DHANBAD
MONDAY, 11th
WSL-2500R
GURU NANAK COLLEGE
DHANBAD
AHUJA
PA LECTERN SYSTEM

DEV LECTURE SERIES
LEGACY
Pune University
WSL-2500R

7th & 8th LEC OF THE ANAK DE URE SERIES
E AN GACY
UR CHAH

Press Release

गुरुनानक देव के सरल और सहज सिद्धांत को जानें छात्र

व्याख्यानमाला

धनबाद | मुख्य संवाददाता

गुरुनानक कॉलेज धनबाद में सोमवार को गुरुनानक देव व्याख्यानमाला को संबोधित करते हुए डा. सुरजीत कौर चहल ने गुरुनानक जी के नैतिक मूल्यों के सिद्धांत की चर्चा की। उन्होंने सबद गुरु की महत्ता को बताया। नानक देव के विचार सब बराबर हैं को विशेष अनुकरणी बताया। डा. चहल दर्शनशास्त्र विभाग पुणे विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष हैं।

डा. हेमा मोरे बुद्धिस्ट अध्ययन विभाग पुणा विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में गुरुनानक देव के सरल व सहज सिद्धांत की चर्चा करते हुए कहा कि यह अहम है। छात्र-छात्राएं इसे जानें। प्राचार्य प्रो. पी शेखर ने कहा कि

सोमवार को गुरुनानक देव पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम के दौरान मौजूद अतिथि।

सोमवार को दो व्याख्यान का आयोजन मेन कैंपस भूदा में किया गया। यह सातवीं व आठवीं व्याख्यानमाला थी।

शासी निकाय के अध्यक्ष सरदार राजिंदर सिंह चहल ने गुरुनानक देव के 550वें जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सचिव सरदार दिलजौन सिंह ग्रेवाल, तेजपाल सिंह, सतवंत सिंह, बहादुर सिंह, प्रो. अरविंद कुमार, डा. गोपाल शर्मा, डा. संजय प्रसाद, प्रो. अमरजीत सिंह, डा. रंजना दास, डा. मीना मालखंडी, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. संजय सिन्हा, प्रो. दीपक कुमार, डा. नीता ओझा, डा. वर्षा सिंह के आलावे मौके पर कई लोग अन्य मौजूद थे।

गुरुनानक देव की जीवनी पर व्याख्यानमाला

धनबाद. गुरुनानक कॉलेज के भूदा परिसर में सोमवार को गुरुनानक देव व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया . विषया था ' गुरुनानक, लाइफ एंड लीगेसी ' . कार्यक्रम का उद्‌घाटन पुणे विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ सुरजीत कौर चहल और बुद्धिस्ट अध्ययन विभाग के डॉ हेमा मोरे ने संयुक्त रूप से किया . स्वागत भाषण प्राचार्य पी शेखर ने दिया . मुख्य वक्ता डॉ सुरजीत चहल ने गुरुनानक के नैतिक मूल्यों के सिद्धांतों को बताया और सबद गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला . उन्होंने बताया कि गुरुनानक देव के विचार ' सब बराबर हैं ' अनुकरणीय है . हेमा मोरे ने गुरुनानक देव के सरल सहज सिद्धांत के विषय के संबंध में बताया . शासी निकाय के सचिव सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल ने धन्यवाद ज्ञापन और मंच संचालन मीना मालखंडी ने किया . कार्यक्रम को सफल बनाने में सरदार तेजपाल सिंह, सरदार सतवंत सिंह के साथ कॉलेज के प्रो अरविंद कुमार, डॉ गोपाल शर्मा, डॉ संजय प्रसाद, प्रो रणधीर सिंह, डॉ अंजना दास, प्रो संतोष कुमार, प्रो संजय सिन्हा, प्रो दीपक कुमार, डॉ नीता ओझा, प्रो दलजीत सिंह, डॉ वर्षा सिंह के साथ अन्य का योगदान रहा .